आयो बन्ना

१

F आयो बन्ना किधर से कहाँ से
M पवन चली बन्नी की वो ही दिशा से
F अरे आयो बन्ना आयो, आयो बन्ना आयो आयो
M आयो बन्ना किधर से कहाँ से
F पवन चली बन्नी की वोही दिशा से ।।१

२

M हवा तो खाड़ी थी
M हवा तो खाड़ी थी
F पर बन्नी मुस्कायी
M,F हवा तो खाड़ी थी, पर बन्नी मुस्कायी
M बन्नी की मुस्कान ने हवा को ढकेला
F लेकर चली वो, बन्नी की खुशबू
M बन्ने की चौखट पे साँय साँय करे वो
F आया बन्ना और बोला हवा से
M लेकर चलो खुशबू लायीं जहाँ से
M,F आयो बन्ना किधर से कहाँ से
M,F पवन चली बन्नी की वो ही दिशा से ।।२

३

F हवा चलते चलते बोली
M बन्ना !
F हवा चलते चलते बोली
M बन्ना !
M ये बन्नी है मेरे दिल का टुकड़ा
F मैं दूँगी इसका हाथों मे हाथ
M जो वादा करो अंत तक दोगे साथ
F कह कर चली ये हवा फिर उधर को
M छोड़ा बन्ने को बन्नी के घर को
M,F आयो बन्ना किधर से कहाँ से
M,F पवन चली बन्नी की वो ही दिशा से ।।३

आदित्य प्र. माथुर
२९०९ कोविन्गटन स्ट्रीट
वेस्ट लाफायट, इन्डियाना, ४७९०६
नवंम्बर, १९९९